2 क्राउन की सैक्शनिंग टॉप सैक्शन के पीछे क्राउन सैक्शन की जाती है क्राउन सैक्शनिंग करने के लिए एक कान से दूसरे कान तक सैक्शनिंग सिर के उभरे हिस्सो पर की जाती है

3 नेप सैक्शनिंग क्राउन सैक्शनिग करने के बाद जितने बाल पीछे बचते है उन्हे नैप सैक्शन कहा जाता है

4 साइड सैक्शनिंग अब टैम्पल से टाप और क्राउन सैक्शन मे सीधी पटिग की जाती है जिससे साइड सैक्शन निकल कर सामाने आता है

सैक्शन की पर्टिग बालो को काटने के लिए की गयी सैक्शनिंग मे सब सैक्शनिंग की आवश्यकता पडती है ताकि हेयरत्त कटिग करते समय हेयर डेसर को बाल पकडने मे परेशानी न हो यह एक गाइड लाइन के रूप मे प्रयोग की जाती है

सबसैक्शन

क्षैतिज

लम्बवत

विकर्ण

horizontzl Parting समकोण पर बाल काटने के लिए

vertical Parting लेयर कट या स्टैप कट मे बाल काटने के लिए

Diagonal Parting एण्डवास हेयर कटिग के लिए

Elevation एलीवेशन एंगल

बालो को उनके उगने की दिशा से उठाकर जिस एंगल पर काटा जाये एसे एलीवेशन कहते है

एलीवेशन को तीन भागो मे बांटा गया है

1 लो एलीवेशन - ज्यादातर हेयर स्टाइल मे बालो को गर्दन के पास रखकर काटा जाता है।

इनमे या तो एलीवेशन बिल्कुल नही होता है या तो बहुत कम एलीवेशन पर बाल काटे जाते है लो एलीवेशन का उदाहरण ब्लट कट यू कट है ।

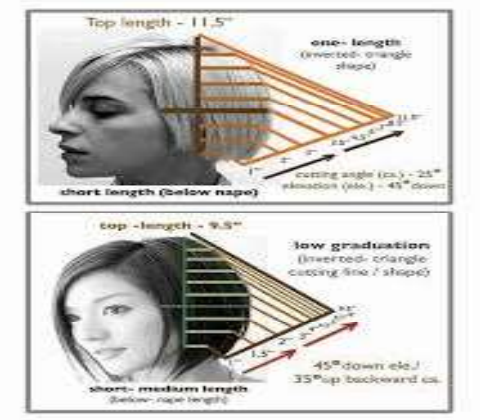

2 मीडियम एलीवेशन मीडियम एलीवेशन की कटिंग करे समय बालो मे वर्टिकल या डाइगोनल सब सैक्शनिंग की जाती है तथा बालो को उनकी नैचुरल ग्राथ से 45 डिग्री एगंल पर उठाकर काटा जाता है मीडियम एलीवेशन पर बाल काटने के साथ साथ बालो मे वाल्यूम तथा लेयर भी आते है।

3 हाई एलीवेशन - हाई एलीवेशन का प्रयोग स्टैप कटिंग के लिए किया जाता है इसमे नैप एरिया के बालो को लो एलीवेशन मे और क्राउन एरिया पर एलीवेशन मीडियम तथा टॉप पर आते आते हाई एलीवेशन हो जाता है ज्यादातर स्टैप कटिग मे 90 डिग्री के एगंल का प्रयोग करना चाहिए।

लम्बाई और परिधि

लम्बाई - लम्बाई खोपड़ी से बालो के छोर तक की दूरी है लम्बाई कटिग हेयर मे एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है

परिधि - पैरामीटर बाल काटने का बाहरी किनारा है

कटिगं लाइन - कटिंग लाइन को अगुली कोण उंगली की स्थिति काटने की स्थिति और कैंची कोण के रूप मे जाना जाता है यह कोण हेयर कट का अतिंम परिणाम बनाता है।

गाइड लाइन - गाइड लाइन बालो का एक भाग है जो यह निर्धारित करता है कि बालो को किस लम्बाई पर काटना है

Basics of Blow Dry

ब्लो ड्राई से सम्बन्धित मूल बाते

कटिंग के बाद बालो को सेट करना भी आवश्यक होता है बालो को ब्लो ड्राई करना सेटिंग की एक तकनीक है इससे र्स्टाइलिग मे भी असानी होती है बालो को बलो ड्राई करने से पहले थोडा गीला अवश्य करे इससे बालो के हल्के वेव भी दूर होते है ब्लो ड्राइग करते समय ड्रायर को बालो से 7-8 इंच दूर रखे ब्लो ड्राइंग करते समय कोम्ब को और ड्रायर को साथ साथ चलाये अन्यथा बाल जल सकते है

1 क्लाइट और ट्राली की तैयारी

2 शैम्पू करने के बाद क्लाइट को चेयर पर बैठाये

3 तैलियो से अतिरिक्त नमी निकाले ओर बालो की अडचने दूर करे

3 अब क्लाइट की गर्दन के चारो और टावल लगाये

4 सभी आवश्यक सामग्री और टूल को ट्राली मे व्यवस्थित करे

ब्लो ड्राइग की विधि

5 अब बालो मे स्टाइलिग के लिए जैसे मूस जेल स्प्रे आदि लगाये

6 अब अपने हाथो से बालो का कंघी को कासाथ मनचाहे आकार मे बाल ले

7 बालो की सैक्शनिंग करे अब नीचे से ऊपर की तरफ ब्लो ड्राइंग शुरू करे

8 हेयर शाफट पर उपर से नीचे की तरफ ड्रायर के नोजल को चलाये साथ हेयर शाफट के पिछले भाग पर ड्रायर के साथ साथ रोलर ब्रश चालये

9 हेयर ड्रायर और ब्रश को समान रूप से चलाये

10 हेयर ड्रायर मे कोल्ड फीचर का इस्तेमाल बालो को ठीक करता है जबकि हॉट फीचर बालो को नये रूप मे ढालता है।

ब्लो ड्राइंग करते समय सावधनियां

1 ब्लो ड्रायर को कभी कभी एक जगह पर जयादा देर तक न रखे

2 ड्रायर को खोपडी से बालो के छोर की दिशा में चलाये

3 हमेशा गर्म हवा को क्लाइट के स्कैल्प से दूर रखो ताकि स्कैल्प मे जलन से बाल न जले।

4 ड्रायर को बालो से 6-8 इंच की दूरी पर रखकर चलाये

ताकि बाल तेज गर्मी से न जले

5 ब्लो ड्राइग के समय ब्रश और ड्रायर को एक साथ चलाये

औजारो की जानकारी

बाल काटना एक कला है बालो की ठीक ढंग से कटिंग व सेंटिग के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले औजार निम्नलिखित है

1 कैंची - कैंची मे दो ब्लेड होते है और ब्लेड सिरे पर और अंत मे समान रूप से सतुलित होते है यह बालो को काटने के लिए उपयोग मे लायी जाती है यह जंग रहित होनी चाहिए प्रत्येक प्रयोग के उपरान्त इसे भली भांति साफ कर लेना चाहिए हेयर कटिंग की कैची से अन्य वस्तु नही काटनी चाहिए नही तो धार खराब हो जाती है

2 सैटिग क्लिप - सैटिग क्लिप बालो को सैक्शनिंग के बाद उन्हे स्कैल्प पर सैट करने के लिए प्रयोग मे लायी जाती है

3 कोम्ब - हेयर कटिंग करते समय अलग अलग प्रकार के कोम्ब का प्रयोग होता है जैसे

1 मोटे दांते वाला कोम्ब - इस कोम्ब का प्रयोग बालो के सुलझाने के लिए किया जाता है

2 बार्बर कोम्ब - कटिंग करने के लिए किया जाता है यह कोम्ब एक सिरे पर मोटी और दूसरे सिरे पर सकंरी होती है

3 टेल कोम्ब - यह कोम्ब पीछे की तरफ नुकीली पूछ के समान होती है इसलिए इसका प्रयोग हेयर कटिग मे पर्टिग करने के लिए किया जाता है

4 थिनिग सीजर - यह कैंची बालो के धनत्व को कम करने या बालो के किनारे पर जिक जैक लुक देने के लिए की जाती है यह सीजर समान रूप से बालो को नही काटती बल्कि इसमे जिक जैक के समान कट होता है जो बाल ब्लेड पर आते है वो कट जाते है और जो इसके खाचो मे चले जाते है वो नही कटते

5 रेजर - रेजर दो प्रकार के होते है एक का उपयोग गर्दन के बालो को साफ करने के लिए और दूसरे का उपयोग बालो के किनारो को पतला करने के लिए उपयोग में लाया जाता है रेजर विभिन्न आकार और प्रकार के बाजार मे उपलब्ध है।

6 एप्रेन - हेयर कटिंग के समय एप्रेन का प्रयोग करने से कटे हुये बाल कपडो पर नही चिपकते है।

7 एडगर - एडगर क्लिपर का एक छोटा रूप है यह मुख्य रूप से नेक लाइन और कानो के आसपास के अतिरिक्त या अनचाहे बालो को हटाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

8 क्लिपर - क्लिपर का उपयोग शार्ट हेयर कट करने के लिए किया जाता है क्लिपर को बिना गार्ड शेविंग के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

9 हेयर ड्रायर - हेयर ड्रायर का प्रयोग कटिंग से पूर्व बालो को सुखाने और कटिंग के बाद बालो को सेट करने के लिए किया जाता है।

10 वाटर स्प्रे बॉटल - इसका प्रयोग कटिंग से पूर्व बालो को गीला करने के लिए किया जाता है ताकि बालो को काटने मे असुविधा न हो क्योकि गीले बाल आराम से कट जाते है जबकि सूखे बाल काटने पर फिसलते है।

हेयर कटिंग की तकनीके

1 क्लब कटिंग क्लब कटिग को ब्लट कटिग के नाम से भी जाना जाता है इसका प्रयोग नियमित रूप से बालो के किनारो और शीर्ष को काटते हे

2 कंघी पर कैची - कंघी के उपर कैची का प्रयोग किया जाता है जब बाल उंगलियो की पकड़ से बाहर होता है जैसे नैप क्षेत्र और कान के आस पास का क्षेत्र।

3 ग्रेजुएटिंग - ग्रेजुएशन तकनीक एक प्रभाव या हेयर कट का उपयोग करती है जिसके परिणाम स्वरूप बालो का तनाव कम करने से लेकर कम से माध्यम एलीवेशन और अधिक दिशा में रखा जाता है।

4 थिनिंग स्लिदरिंग - कैचीं या रेजर से बालो को पतला धनत्व कम और स्टाइल के फीचर्स को हल्का करके रूट पर वाल्यूम बढाया जाता है।

5 टेक्सपराइजिंग - टेक्स्चराइजिंग तकनीक मे बालो को अलग अलग लम्बाई मे काटा जाता है ताकि विभ्भिन्न प्रकार के लुक तैयार किये जा सके छोटे बालो को स्पाइ की लुक देने के लिए टेक्स्चाजिं है और लम्बे और छोटे बालो के संयोजन का उपयोग करके अधिक फैशने बल लुक दिया जा सकता है

6 प्वाइंट कटिंग - प्वाइंट कटिंग एक ऐसी तकनीक है जो कैंची की युक्तियो उपयोग से लम्बे बालो के हेयर स्टाइल मे सुथरा कट देने के लिए की जाती है यह घुंघराले बालो की बनावट के लिए भी अच्छा है।